मूल्य : एक प्रति ` 0.50 वार्षिक ` 5.00

नेशनल बुक ट्रस्ट संवाद

वर्ष 16, अंक 12 दिसंबर 2011

अंदर के पृष्ठों में . . . . . ➤

पटना में राष्ट्रीय पुस्तक मेला	2
राष्ट्रीय पुस्तक सप्ताह, 14-20 नवंबर, 2011 के अवसर पर आयोजन :	
शिमला : पुस्तक लोकार्पण तथा परिचर्चा	3
कटक : पुस्तक लोकार्पण समारोह	3
गोधरा : पुस्तक प्रदर्शनी एवं काव्य संध्या	3
मोहाली : 18 बाल पंजाबी पुस्तकों का लोकार्पण	4
दिल्ली सप्ताहांत पुस्तक बाजार	5
पंजाबी पुस्तकों का लोकार्पण	5
पुस्तक समीक्षा	6
लुधियाना में तीन पंजाबी पुस्तकों का लोकार्पण	7
करीमनगर में पुस्तक लोकार्पण समारोह	7
देहरादून में लेखक और बच्चों के बीच संवाद	7
इंदिरा गोस्वामी नहीं रहीं	8
दिल्ली तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पुस्तक प्रदर्शनियां	8
चिट्ठीघर	8
फैजाबाद पुस्तक मेला	8

नवीनतम प्रकाशन

उत्तराखंड की लोक कथाएं

हरिसुमन बिष्ट

पृ. 116 ` 65

राष्ट्रीय पुस्तक सप्ताह पर ट्रस्ट-परिसर में कार्यक्रम

उद्घाटन करते हुए डॉ. नरेंद्र जाधव, साथ में बाएं ट्रस्ट-निदेशक श्री एम.ए. सिकंदर

उद्घाटन सत्र में उपस्थित जनसमूह का एक दृश्य

प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया द्वारा देश भर में आयोजित किए जाने वाले राष्ट्रीय पुस्तक सप्ताह का ट्रस्ट-परिसर, नेहरू भवन, नई दिल्ली में 14 नवंबर, 2011 को उद्घाटन किया गया। प्रख्यात शिक्षाविद् एवं वर्तमान में योजना आयोग में सदस्य, डॉ. नरेंद्र जाधव ने एक सप्ताह तक चलने वाले इस राष्ट्रीय बाल पुस्तक एवं गतिविधि मेला का उद्घाटन किया।

मेले की थीम (मुख्य विषय), **कल्पना के पंखों पर भरें ऊंची उड़ान,** के संदर्भ में डॉ. जाधव ने अपने बचपन के दिनों को याद करते हुए कहा कि वे मुंबई में पैदा हुए। उनके पिता ने कभी स्कूल का मुंह नहीं देखा। उन्होंने आगे कहा, ''मेरी पहली इच्छा गैंगस्टर बनने की थी। फिर मैंने सोचा कि यह सही नहीं है। तब मैंने एक सुरक्षित नौकरी के बारे में सोचा, और पहले मैं चपरासी बना, फिर एक शिक्षक और अंत में प्रोफेसर।''

उन्होंने बच्चों से अपना अनुभव साझा करते हुए कहा कि जीवन में सफल होने के लिए आपको स्वयं की खोज करनी होती है। जीवन में आगे बढ़ने के लिए कड़ी मेहनत, ऊंचे लक्ष्य, लक्ष्य पाने की तीव्र लालसा, समय प्रबंधन, सामाजिक वचनबद्धता, अभिभावकों के प्रति सम्मान, सकारात्मक मानसिकता आदि को उन्होंने मूलमंत्र बताया।

डॉ. जाधव ने बच्चों के लिए एक गतिविधि पुस्तक *कलर मी सेज दिल्ली : कलरिंग बुक्स ऑफ राइम्स* का भी लोकार्पण किया। श्री शशि शेट्ये द्वारा रचित इस पुस्तक को दिल्ली के आधुनिक भारत की राजधानी बनने के शताब्दी वर्ष को मनाने के स्वरूप ट्रस्ट द्वारा हाल ही में प्रकाशित किया गया है।

इस अवसर पर सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ एजुकेशन दिल्ली यूनिवर्सिटी की प्रोफेसर पूनम बत्रा सम्मानित अतिथि थीं। उन्होंने कहा कि आजकल हम पहले पुस्तकों पर आधारित फिल्में देखते हैं, जैसे हैरी पॉटर और तब पुस्तक पढ़ते हैं। उन्होंने आगे कहा कि पुस्तकें हमें कल्पना करने और सोचने में सहायता करती हैं। पुस्तकें हमारी सबसे अच्छी दोस्त हैं और हमें अपने मित्रों-परिजनों को पुस्तकें उपहार में देनी चाहिए।

इससे पहले, एन.बी.टी. के निदेशक श्री एम.ए. सिकंदर ने अतिथियों एवं अन्य लोगों का स्वागत किया। डॉ. जाधव का परिचय कराते हुए उन्होंने कहा कि ''डॉ. जाधव मुझ समेत अनेक लोगों के लिए एक 'रोल मॉडल' हैं। वे एक प्रख्यात सामाजिक विज्ञानी तथा शिक्षाविद् हैं। उन्होंने मराठी में रवींद्रनाथ टैगोर पर एक जीवनी-उपन्यास लिखने समेत अनेक प्रस्तकें लिखी हैं।''

श्री सिकंदर ने प्रो. पूनम बत्रा का भी संक्षिप्त परिचय दिया, जिन्होंने जवाहरलाल नेहरू फेलोशिप समेत अनेक पुरस्कार प्राप्त किए हैं तथा विभिन्न कॉलेजों में बैचलर ऑफ एलिमेंटरी एजुकेशन प्रोग्राम संचालित करती हैं। प्रख्यात पत्रकार एवं ट्रस्ट के न्यासीमंडल के सदस्य श्री शैलेश शर्मा समेत अनेक लेखक, बुद्धिजीवी तथा स्कूली बच्चे इस अवसर पर उपस्थित थे। ट्रस्ट में संयुक्त निदेशक (प्रशा. एवं वित्त) श्रीमती फरीदा एम नाईक ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

दिन में बच्चों के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित हुए, जिनमें प्रख्यात चित्रकार श्री पुलक बिस्वास के साथ बच्चों द्वारा 'ड्रीम कैलेंडर' की तैयारी, श्री अतनु रॉय एवं सुश्री अनूपा लाल द्वारा कथावाचन एवं बच्चों द्वारा गीतों की प्रस्तुति शामिल थे।

आयोजन के दूसरे दिन, एन.बी.टी. के एक अनुभाग, राष्ट्रीय बाल साहित्य केंद्र द्वारा कविता लेखन एवं कथावाचन सत्र का आयोजन किया गया। नामचीन बाल साहित्यकार डॉ. मधु पंत तथा सुश्री कमलेश मोहिंद्रा ने विभिन्न स्कूलों एवं स्वयंसेवी संगठनों से आए बच्चों के साथ संवाद किया।

डॉ. पंत ने कहा कि वे हमेशा बच्चों से प्रभावित होती रही हैं, क्योंकि उनके पास सपनों को समझने के लिए कल्पना और इच्छा होती है। उन्होंने बच्चों से हरदम कुछ नया सोचने की अपील की। कविता सत्र के बाद डॉ. पंत एवं सुश्री मोहिंद्रा ने बच्चों को कुछ कहानियां भी सुनाईं।

मेले में विशेष तौर पर बच्चों के लिए पुस्तकें प्रकाशित करने वाले प्रकाशकों ने अपने स्टॉल लगाए थे। इनमें एन.बी.टी समेत निम्न प्रकाशक शामिल थे–ए एंड ए बुक ट्रस्ट, सेंटर फॉर लर्निंग रिसोर्सेज, चिल्ड्रेंस बुक ट्रस्ट, एकलव्य, इंद्रधनुष, जदित्या पब्लिशर्स, जोड़ो ज्ञान, कथा, माइंड मेलोडीज, पोनीटेल बुक्स, प्रथम बुक्स, रूम टू इंडिया ट्रस्ट, साहित्य अकादेमी, तूलिका पब्लिशर्स आदि।

मेले के तीसरे दिन कथावाचन सत्र में प्रख्यात लेखिकाएं, सुश्री अपर्णा आप्टे गुप्ता तथा सुश्री सुरेखा पाणंदीकर ने बच्चों को कुछ प्रेरणाप्रद कहानियां सुनाईं तथा उनके साथ बातचीत की। इस अवसर पर सुश्री पाणंदीकर कृत ट्रस्ट से प्रकाशित बाल पुस्तक *ब्रिज ऐट बोरिम* पर आधारित एक फिल्म का भी प्रदर्शन किया गया। इसमें गोवा की मुक्ति में एक किशोरवय बालक की भूमिका का चित्रण है।

बच्चों ने भी मेले में काफी जोर-शोर से भाग लिया तथा छोटी बच्ची पर एक नाटक का मंचन किया। कथकली नृत्य भी बच्चों ने प्रस्तुत किए तथा अपने कुछ पसंदीदा गाने सुनाए।

विभिन्न स्कूलों एवं स्वयंसेवी संस्थाओं के बच्चे बड़ी संख्या में कार्यक्रमों में उपस्थित हुए तथा उन्होंने न सिर्फ जमकर पुस्तकों की खरीद की बल्कि साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आनंद भी लिया।

ऐसी बहुत-सी गतिविधियों का 18 से 20 नवंबर, 2011 तक पूर्वा सांस्कृतिक केंद्र, लक्ष्मीनगर, नई दिल्ली में भी आयोजन किया गया। पूर्वा केंद्र में आयोजित राष्ट्रीय बाल पुस्तक एवं गतिविधि मेला का उद्घाटन सांसद श्री संदीप दीक्षित ने किया। पूर्वी दिल्ली में अपनी तरह के इस अनूठे कार्यक्रम का आयोजन ट्रस्ट ने पहली बार किया। श्री दीक्षित ने अपने उद्घाटन संबोधन में कहा कि ई-मेल, एस.एम.एस. आदि के रूप में इलेक्ट्रॉनिक डाटाबेस की आयु कम होती है लेकिन पुस्तकों का जीवनकाल असीमित होता है। उन्होंने एन.बी.टी. की गतिविधियों एवं प्रयासों की प्रशंसा भी की।

ट्रस्ट-निदेशक श्री एम.ए. सिकंदर ने अतिथियों एवं आगंतुकों का स्वागत किया। उन्होंने पूर्वी दिल्ली के लोगों के लिए निकट भविष्य में कुछ अन्य कार्यक्रम लेकर आने की बात भी कही। उन्होंने ट्रस्ट द्वारा किफायती कीमत पर मध्य एवं निम्न वित्त वर्ग के पाठकों के लिए पुस्तकें उपलब्ध कराने की ट्रस्ट की वचनबद्धता दोहराई। इस अवसर पर एल्कॉन इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों द्वारा गीत एवं नृत्य प्रस्तुतियां की गईं जो श्री रवींद्रनाथ टैगोर की कविताओं पर आधारित थीं। स्कूली बच्चों के लिए एन.बी.टी. द्वारा एक बुक क्विज भी आयोजित किया गया। मेले में लगभग 20 प्रसिद्ध प्रकाशकों ने भाग लिया।

19 नवंबर को प्रख्यात कथाकार श्रीमती क्षमा शर्मा ने कथावाचन सत्र में उपस्थित बच्चों को कुछ कहानियां सुनाईं। 20 नवंबर तक चले इस आयोजन में कार्यशालाएं तथा संगोष्ठी आदि कार्यक्रम भी हुए।

विदित हो कि राष्ट्रीय बाल पुस्तक एवं गतिविधि मेला राष्ट्रीय पुस्तक सप्ताह का एक भाग है जो देश के प्रथम प्रधानमंत्री पं. जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिवस के स्मरण स्वरूप सारे देश में मनाए जाते हैं।

पटना में राष्ट्रीय पुस्तक मेला

बाएं से, प्रो. इम्तियाज़ अहमद, प्रो. गंगा प्रसाद विमल, प्रो. अबदुस्समद, श्री फिरोज़ बख्त अहमद तथा श्री उदय प्रकाश

बिहार की राजधानी पटना में 11 से 19 नवंबर, 2011 के दौरान नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया द्वारा बिहार सरकार के सहयोग से स्थानीय गांधी मैदान में 'राष्ट्रीय पटना पुस्तक मेला' का आयोजन किया गया। यह मेला बिहार में शिक्षा दिवस के अवसर पर लगाया गया। शिक्षा दिवस का उद्घाटन बेतिया जिले से वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने किया।

पुस्तक मेले में लगभग 170 प्रकाशकों ने भागीदारी की। लगभग 70,000 वर्ग फुट में फैले इस पुस्तक मेले का हर उम्र के पाठक ने आनंद लिया और मनपसंद पुस्तकें खरीदीं। इस अवसर पर पाठकों ने लेखकों से मुलाकात की। ट्रस्ट की ओर से राष्ट्रीय बाल साहित्य केंद्र द्वारा तीन-दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिनमें प्रमुख थे–'बच्चों का सृजनात्मक लेखन व चित्रांकन' विषय पर कार्यशाला, रचना पाठ सत्र एवं पोस्टर निर्माण कार्यशाला। युवाओं के लिए 'मीडिया में करियर' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन भी किया गया।

इन सभी कार्यशालाओं में देश के ख्याति प्राप्त विद्वानों ने शिरकत की, जिसमें समीना मिश्र, कुमार विकास, इमरान मुस्तफा, रत्नेश सिंह, वर्तिका नंदा प्रमुख थे।

इसके अलावा, ट्रस्ट द्वारा व्यंग्य पाठ का आयोजन किया गया जिसमें चर्चित व्यंग्यकारों ने अपनी व्यंग्य रचनाएं सुनाकर उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रमुख व्यंग्यकारों में थे–सर्वश्री (पद्मश्री) रवींद्रराज हंस (पटना), अनूप श्रीवास्तव (लखनऊ), अनुराग वाजपेयी (जयपुर), गिरीश पंकज (रायपुर), महेंद्र ठाकुर (रायपुर), प्रेम जनमेजय (दिल्ली), सुभाष चंदर (गाजियाबाद), हरीश नवल (दिल्ली) तथा यज्ञ शर्मा (मुंबई)।

चाचा नेहरू के जन्मदिन बाल दिवस (14 नवंबर) पर 'बच्चों की पुस्तकों में बचपन' विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें आमंत्रित वक्तागण इस प्रकार थे–श्री सुरेंद्र विक्रम (लखनऊ), श्री ओमप्रकाश कश्यप (गाजियाबाद), डॉ. प्रकाश मनु (हरियाणा), श्री रमेश तैलंग (दिल्ली), डॉ. शिवनारायण (पटना) तथा डॉ. दिविक रमेश (दिल्ली)।

ट्रस्ट की ओर से 'लेखक से मिलिए' कार्यक्रम के अंतर्गत श्रीमती उषा किरण खान (मैथिली की साहित्य अकादेमी पुरस्कार से सम्मानित लेखिका) ने अपने अनुभव पाठकों के साथ साझे किए।

पुस्तक मेले में ट्रस्ट से प्रकाशित 'मौलाना अबुल कलाम आजाद'–फिरोज बख्त अहमद कृत पुस्तक का लोकार्पण उर्दू साहित्यकार व साहित्य अकादेमी से सम्मानित लेखक श्री अब्दुस्समद ने किया। इस अवसर पर खुदाबख्श लाइब्रेरी के निदेशक श्री इम्तियाज़ अहमद ने कहा कि अबुल कलाम के नाम पर शिक्षा दिवस मनाने वाला बिहार देश का पहला राज्य है। इस अवसर पर कथाकार श्री उदय प्रकाश, जो कि इस कार्यक्रम के सम्मानित अतिथि थे, ने कहा–मौलाना आजाद ने हिंदुस्तान को अखंड रखने के लिए बहुत प्रयास किए। उनके योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता।

इस अवसर पर डॉ. गंगाप्रसाद विमल ने कहा–राष्ट्रीय स्मृति के रूप में मौलाना आजाद की यादों को व्यापक दायरा देने का यही मौका है। उर्दू में अनूदित पुस्तक *राजकमल चौधरी : संकलित कहानियां* के लोकार्पण और चर्चा में डॉ. देवशंकर नवीन, इरतजा करीम, एजाज अली अरशद के साथ डॉ. कासिम खुर्शीद ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

इसके अलावा, उर्दू की पुस्तक *बादे नौ बहार, दयारे हिंदी में फ़ैज़* का लोकार्पण और चर्चा कार्यक्रम में श्री जहूर सिद्दीकी, श्री असगर वजाहत व डॉ. अरुण कमल ने अपने विचार फैज़ के संदर्भ में प्रस्तुत किए।

राष्ट्रीय पुस्तक सप्ताह, 14-20 नवंबर, 2011 के अवसर पर आयोजन

शिमला : पुस्तक लोकार्पण तथा परिचर्चा

बीच में, लोकार्पण करते हुए हि.प्र. के शिक्षा मंत्री श्री ईश्वर दास धीमान; बाएं, डॉ. तुलसी रमण, दाएं, श्रीमती उमा बंसल

'पुस्तकें जहां एक ओर हमारे अतीत का परिचय कराती हैं, वहीं दूसरी ओर वे भविष्य के लिए मार्गदर्शक का काम भी करती हैं।'' यह उद्‌गार हिमाचल प्रदेश के माननीय शिक्षा मंत्री, श्री ईश्वर दास धीमान ने राष्ट्रीय पुस्तक सप्ताह (14-20 नवंबर, 2011) के दौरान राज्य के मंडी जिले में आयोजित एक दो-दिवसीय कार्यक्रम में व्यक्त किए।

15 व 16 नवंबर, 2011 को आयोजित किए गए इन कार्यक्रमों के पहले दिन यानी 15 नवंबर के पहले सत्र का शुभारंभ हिमाचल प्रदेश के माननीय शिक्षा मंत्री, श्री ईश्वर दास धीमान ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। हिमाचल कला, संस्कृति भाषा अकादमी, शिमला के सचिव, डॉ. तुलसी रमण ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। ट्रस्ट में हिंदी की सहायक संपादक श्रीमती उमा बंसल ने माननीय शिक्षा मंत्री, अकादमी के सचिव, आमंत्रित वक्ताओं तथा सभागार में उपस्थित श्रोताओं का स्वागत करते हुए ट्रस्ट की गतिविधियों का परिचय दिया।

माननीय शिक्षा मंत्री श्री धीमान ने ट्रस्ट की भारतीय साहित्य पुस्तकमाला के अंतर्गत 'अज्ञेय' और 'शमशेर' के जन्म शताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में प्रकाशित *शमशेर बहादुर सिंह : संकलित कविताएं, अज्ञेय : संकलित कविताएं, अज्ञेय की श्रेष्ठ कहानियां* और *अज्ञेय : प्रतिनिधि संकलित निबंध* तथा लोकोपयोगी विज्ञान पुस्तकमाला के अंतर्गत प्रकाशित तीन अंग्रेजी पुस्तकों–*प्राइमर ऑन फॉरेस्ट बायोडाइवर्सिटी, प्राइमर ऑन कैरेक्टराइजिंग बायोडाइवर्सिटी* तथा *बेसिक बायोटेक्निक्स* का लोकार्पण किया। 'अज्ञेय' और 'शमशेर' पर दो आलेख क्रमशः डॉ. विजय विशाल तथा डॉ. सत्यपाल सहगल ने प्रस्तुत किए। इस दौरान 'अज्ञेय' और 'शमशेर' द्वारा किए गए काव्य पाठ की वीडियो भी दिखाई गई। इन वीडियो को भाषा अकादमी द्वारा श्री ओम थानवी के सौजन्य से प्राप्त किया गया था। तत्पश्चात 'अज्ञेय' और 'शमशेर' पर आमंत्रित विद्वानों द्वारा परिचर्चा एवं इन लेखकों की कविताओं का पाठ भी किया गया।

क्विज में भाग लेते स्कूली बच्चे

माननीय शिक्षा मंत्री ने अपने सारगर्भित व्यक्तव्य में कहा कि ''हमारे लेखक हमारे लिए प्रेरणा स्रोत का काम करते हैं। हमें आजादी दिलाने में भी हमारे लेखकों का बहुत बड़ा योगदान है। उनकी प्रेरणादायक कविताओं, कहानियों व भाषणों ने हमें गुलामी से मुक्त होने का रास्ता दिखाया। उनकी रचनाएं आज भी हमारे अंदर जोश भर देती हैं।'' उन्होंने कई लेखकों की कविताओं के अंश भी सुनाए।

दूसरे दिन यानी 16 नवंबर को विज्ञान की तीनों पुस्तकों पर डॉ. संजीव ठाकुर द्वारा एक आलेख प्रस्तुत किया गया। डॉ. ठाकुर ने तीनों पुस्तकों की विषय वस्तु को, सभागार में उपस्थित छात्रों और अध्यापकों को विस्तार से समझाया। आलेख के पश्चात विज्ञान विषय पर अंग्रेजी व हिंदी भाषा में एक क्विज का आयोजन किया गया। क्विज में स्थानीय आठ स्कूलों के बच्चों ने भागीदारी की। क्विज का संचालन संपादकीय सहायक, श्रीमती कंचन वांचू शर्मा द्वारा किया गया। प्रतियोगी बच्चों को पुरस्कार स्वरूप पुस्तकें प्रदान की गईं।

कार्यक्रम का संचालन ट्रस्ट की हिंदी सहायक संपादक श्रीमती उमा बंसल ने की।

कटक : पुस्तक लोकार्पण समारोह

बीच में, पुस्तक लोकार्पित करता एक छात्र;
बाएं से, श्री पूर्ण चंद्र मिश्र, डॉ. प्रमोद सर, डॉ. राजकिशोर पाढ़ी, श्री दाश बेनहूर एवं श्री महापात्रा नीलमणि साहु

16 नवंबर, 2011 को राष्ट्रीय पुस्तक सप्ताह समारोह के एक भाग के रूप में ओड़िसा के कटक में रावेनशॉ कॉलेजिएट स्कूल के सहयोग से नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया द्वारा एक पुस्तक लोकार्पण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें ट्रस्ट की बच्चों के लिए ओड़िया भाषा की 16 पुस्तकों का लोकार्पण किया गया। अपने उद्‌घाटन संबोधन में ओड़िया साहित्य के प्रख्यात लेखक श्री महापात्रा नीलमणि साहु ने कहा कि ''पुस्तकें किसी साधारण व्यक्ति को असाधारण व्यक्ति में बदल सकती

रावेनशॉ कॉलेजिएट के छात्रगण

हैं और उसे दैवीय बना सकती हैं।'' उन्होंने आगे कहा, ''छात्र भी निर्धारित पाठ्यपुस्तकों से अलग अन्य पुस्तकों के पठन के द्वारा ज्ञान के क्षेत्र में एक नई ऊंचाई पर चढ़ सकते हैं।'' अन्य वक्ता, प्रख्यात बाल साहित्यकार श्री दाश बेनहूर ने कहा, ''पुस्तकें किसी व्यक्ति को अपने जीवन में किसी भी परिस्थिति में सत्य के साथ खड़े रहने की शक्ति और प्रेरणा देती हैं।'' अन्य वक्ताओं में थे– डॉ. राजकिशोर पाढ़ी, नवोदय विद्यालय के पूर्व प्रिंसिपल तथा बाल साहित्यकार; डॉ. शरत कुमार बिस्वाल, निदेशक, मास एजुकेशन, ओड़िसा तथा श्री वृंदावन सत्पथी, स्कूल-इंस्पेक्टर, कटक। इन सभी का एक ही मत था–पुस्तकें मानव जीवन की वैसी मित्र हैं जो कभी धोखा नहीं देतीं और ये किसी के जीवन तथा इस दुनिया में सत्य का रास्ता तैयार करती हैं। पुस्तक-पठन में हमारी बढ़ती रुचि साहित्य, संस्कृति और हमारे समाज को एक बड़ी ऊंचाई तक पहुंचाने में सहायता कर सकती है।

इस अवसर पर विभिन्न भारतीय भाषाओं से ओड़िया में अनूदित 16 बाल पुस्तकों का लोकार्पण किया गया। ट्रस्ट की नेहरू बाल पुस्तकालय पुस्तकमाला के अंतर्गत प्रकाशित इन पुस्तकों का लोकार्पण अतिथियों ने दस छात्रों के साथ मिलकर किया। ट्रस्ट की पुस्तकों की एक प्रदर्शनी भी लगाई गई थी।

ओड़िया बाल साहित्य के क्षेत्र में शोधकर्ता डॉ. मणींद्र मोहांति ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। रावेनशॉ कॉलेजिएट स्कूल के प्रधानाचार्य श्री पूर्ण चंद्र मिश्रा ने स्वागत भाषण दिया तथा शिक्षक श्री जयंत कुमार दास ने धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम का समन्वय ट्रस्ट में ओड़िया भाषा के सहायक संपादक श्री प्रमोद कुमार सर ने किया।

गोधरा : पुस्तक प्रदर्शनी एवं काव्य संध्या

नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया द्वारा गोधरा में राष्ट्रीय पुस्तक सप्ताह समारोह के एक भाग के रूप में सचल वाहन पुस्तक प्रदर्शनी तथा काव्य संध्या कार्यक्रम संपन्न हुआ। गोधरा सार्वजनिक शिक्षण मंडल के सहयोग से आयोजित यह कार्यक्रम गोधरा नगर में एक अनूठा पुस्तक-अवसर था।

20 नवंबर को न्यू इरा स्कूल परिसर के चंद्रामृत हॉल में 'कल्पना के पंखों पर भरें ऊंची उड़ान' विषय पर जानेमाने विचारक, कवि एवं नाट्यकार श्री प्रवीण पंड्या ने अपने वक्तव्य में कहा कि पुस्तकें दो प्रकार की होती हैं–सुलाने वाली और जगाने वाली। मनोरंजन कराने वाली पुस्तकें हमें सुख की नींद दे सकती हैं, मगर ऐसी पुस्तकें भी होती हैं जो हमें सोने नहीं देतीं। आजकल जगाने वाली पुस्तकों की आवश्यकता अधिक है। इस अवसर पर पुस्तक प्रचार-प्रसारक एवं बालोपयोगी साहित्य-सर्जक सुश्री नयना शाह ने पुस्तकों की महत्ता रेखांकित करते हुए पुस्तकों के चयन पर विशेष प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आजकल विपुल संख्या में पुस्तकें प्रकाशित हो रही हैं, इसमें से अपने काम की अथवा रुचि के अनुरूप सही पुस्तकें चुनना एक चुनौतीपूर्ण एवं जटिल काम है। लेकिन प्रशंसा के स्वर में उन्होंने कहा कि नेशनल बुक ट्रस्ट की पुस्तकें खरीदते हुए यह झंझट नहीं होती है। गोधरा सार्वजनिक शिक्षण मंडल के अध्यक्ष श्री शरदकुमार शाह ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। उन्होंने गोधरा नगर में पुस्तकों पर केंद्रित कार्यक्रम के आयोजन के लिए ट्रस्ट को साधुवाद दिया। इस अवसर पर उन्होंने ट्रस्ट की सचल वाहन पुस्तक प्रदर्शनी का उद्घाटन किया। प्रारंभ में प्रिंसिपल श्री दक्षेश शाह ने स्वागत किया तथा अंत में श्री मितेश देसाई ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

श्री प्रवीण पंड्या (माइक पर); बाएं से, श्री जैमिनी शास्त्री, श्री रिषभ महेता, श्री भाग्येंद्र पटेल, सुश्री नयना शाह एवं श्री शरद कुमार शाह

21 नंवबर को गोधरा नगर में विभिन्न स्थान पर मुंबई क्षेत्रीय कार्यालय की सचल वाहन पुस्तक प्रदर्शनी लगाई गई। इसी के साथ सतत पुस्तक-पठन कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें विभिन्न स्थानीय विद्यालयों के बच्चों ने पठन करके पुस्तक की महत्ता एवं इसके प्रसार को प्रचारित किया। गोधरा के विभिन्न स्थल, मार्ग व गलियों में पुस्तकों की गूंज ने एक अनोखा वातावरण निर्मित किया।

21 नवंबर को ही चंदामृत हॉल में काव्य-संध्या आयोजित की गई। प्रसिद्ध कवि श्री चिनु मोदी, श्री खलील धनतेजवी, श्री प्रदीप पंड्या, श्री रिषभ महेता, श्री हरद्वार गोस्वामी, श्री विनोद गांधी, सुश्री गायत्री महेता और सुश्री गीता पंड्या ने कविता और गीत प्रस्तुत करके श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

ट्रस्ट की ओर से सहायक संपादक, गुजराती श्री भाग्येंद्र पटेल ने सभी कार्यक्रमों का संयोजन-समन्वय किया तथा प्रासंगिक उद्बोधन किया।

मोहाली : 18 बाल पंजाबी पुस्तकों का लोकार्पण

18 पंजाबी बाल पुस्तकें लोकार्पित करते हुए बाएं से दाएं : डॉ. कश्मीरी लाल जाकिर, श्री एम.ए. सिकंदर, डॉ. डी.एस. बेदी, डॉ. धर्मपाल सिंहल, श्री. सुखचैन सिंह भंडारी, श्री सुखदेव मादपुरी, डॉ. बलदेव सिंह 'बद्दन' एवं श्री मनमोहन सिंह दाऊं

नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया के द्वारा शिवालिक पब्लिक स्कूल, फेज-6, मोहाली एवं पुआधी पंजाबी सथ, मोहाली के सहयोग से 16 नवंबर, 2011 को एक-दिवसीय बाल साहित्यिक समारोह का आयोजन किया गया। प्रधानगी मंडल में ट्रस्ट के निदेशक श्री एम.ए. सिकंदर, डॉ. बलदेव सिंह 'बद्दन', मुख्य संपादक एवं संयुक्त निदेशक, शिवालिक पब्लिक स्कूल के निदेशक श्री डी.एस. बेदी, हरियाणा पंजाबी साहित्य अकादमी के निदेशक श्री सुखचैन सिंह भंडारी, हरियाणा उर्दू अकादमी के उपाध्यक्ष डॉ. कश्मीरी लाल जाकिर, श्री मनमोहन सिंह दाऊं एवं श्री सुखदेव मादपुरी शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. धर्मपाल सिंहल ने की। प्रारंभ में ट्रस्ट की परंपरा अनुसार प्रधानगी मंडल के सदस्यों का पुस्तकों के सेट भेंट करके अभिनंदन किया गया। डॉ. 'बद्दन' ने ट्रस्ट की ओर से, डॉ. बेदी ने स्कूल की ओर से, और श्री दाऊं ने पुआधी पंजाबी सथ की ओर से स्वागत-उद्बोधन किया। इस अवसर पर ट्रस्ट के निदेशक, श्री एम.ए. सिकंदर ने बाल साहित्य की महत्ता पर विचार पेश किए। पुआधी पंजाबी सथ, मोहाली की ओर से श्री एम.ए. सिकंदर को विशेष सम्मान से पुरस्कृत किया गया।

इस अवसर पर बच्चों की कलाकृतियों का प्रदर्शन भी किया गया। ये कलाकृतियां 8 स्कूलों के विद्यार्थियों ने तैयार की थी। पंजाबी बाल कवि दरबार में 12 स्कूलों के 25 विद्यार्थियों ने कविताएं पेश की। नाटक मंचन भी हुआ और भांगड़ा नृत्य भी बच्चों द्वारा प्रस्तुत किया गया। इन साहित्यिक कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए 25 विद्यार्थियों को पांच-पांच सौ रुपये की पुस्तकों के सेट उपहारस्वरूप भेंट किए गए। पंजाबी के दो शिरोमणि बाल साहित्यकार श्री सुखदेव मादपुरी और श्री मनमोहन सिंह दाऊं श्रोताओं से रूबरू हुए। बाल साहित्य लेखक श्री सुरजीत मरजारा, श्री मनजीत कौर अंबालवी, श्री आत्मा सिंह चिट्टी, श्री दर्शन बनूर, श्री कोमल सिंह और श्री महेंद्र सिंह मानूपुरी ने कवितायें प्रस्तुत कीं। इस अवसर पर कवि दरबार का आयोजन भी किया गया जिसमें श्री सिरीराम अरश, श्रीमती दलजीत कौर दाऊं, डॉ. गुरमिंदर सिद्धू, डॉ. मनजीत इंदरा, श्री बाबूराम दीवाना, श्री सुरेंद्र गिल, श्रीमती देविंदर प्रीत, श्रीमती परमजीत परम, श्री सुरजीत आर्टिस्ट, श्री भगवान सिंह दीपक और श्री शिवनाथ ने भाग लिया।

इस साहित्यिक समारोह में ट्रस्ट की ओर से पंजाबी में प्रकाशित 18 पंजाबी बाल पुस्तकें लोकार्पित की गईं। पुस्तकें थीं : *सहेली* (लेखिका : सुरेखा पाणंदीकर, अनुवादिका : डॉ. राजवंत कौर पंजाबी), *अजूबे* (लेखक : लक्ष्मी खन्ना सुमन, अनुवादक : डॉ. रवि रविंदर), *चतराई दा पुरस्कार* (लेखक : राकेश चक्र, अनुवादक : डॉ. पृथ्वीराज थापर), *नीम बाबा* (लेखक : एस.आई. फारूखी, अनुवादक : सर्वजीत वालिया), *फैसला अते पूरब दीयां होर कहानियां* (लेखिका : कला थैरानी, अनुवादक : सतींदरपाल सिंह), *बघिआड़ दा नचना* (लेखक : दिलीप कुमार बरुआ, अनुवादक : डॉ. सतप्रीत सिंह जस्सल), *दर्द दा रिश्ता अते और कहानियां* (लेखिका : नासिरा शर्मा, अनुवादिका : डॉ. जसपाल कौर), *की होया* (लेखक : जगदीश जोशी, अनुवादिका : डॉ. जसपाल कौर), *रावण* (लेखिका : अंजनी शर्मा, अनुवादिका : प्रो. बलबीर कौर रीहल), *नेवला भी राजा* (मूल पंजाबी, लेखक : डॉ. बलदेव सिंह 'बद्दन')। निम्नांकित आठ पुस्तकों का अनुवाद डॉ. बलदेव सिंह 'बद्दन' ने किया है। पुस्तकें हैं : *बुलबुल अते मुन्नू* (लेखिका : क्षमा शर्मा), *जंगल दे दोस्त* (लेखक : बिमलेंद्र चक्रवर्ती), *गुल्ले आवास* (लेखक : डॉ. जाकिर हुसैन), *प्यारा दोस्त* (लेखक : दीपक कुमार कलिता), *जिलानी बानो दीयां दो बाल कहानियां, अंब वाली चिड़ी* (लेखिका : दीपा अग्रवाल), *बांस दा घर* (लेखिका : नीरा जैन), *छोटी कीड़ी दी बड्डी दाहवत* (लेखिका : कुसमलता सिंह)। इन पुस्तकों पर डॉ. बलजीत सिंह ने परचा प्रस्तुत किया। शिवालिक पब्लिक स्कूल और पैरागॉन सीनियर सेकेंडरी स्कूल मोहाली, रोपड़, नवांशहर, खन्ना और सरहिंद में 12-29 नवंबर, 2011 के दौरान पुस्तकों की प्रदर्शनी भी लगाई गई। शिवालिक पब्लिक स्कूल, मोहाली में आयोजित साहित्यिक कार्यक्रम में लेखकों और पुस्तक प्रेमियों के अतिरिक्त विभिन्न स्कूलों के एक हजार से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया।

पुआधी पंजाबी सथ, मोहाली की ओर से श्री एम.ए. सिकंदर को विशेष सम्मान से पुरस्कृत करते हुए डॉ. कश्मीरी लाल जाकिर, श्री मनमोहन सिंह दाऊ, डॉ. डी.एस. बेदी, डॉ. धर्मपाल सिंहल एवं श्री सुखचैन सिंह भंडारी

दिल्ली सप्ताहांत पुस्तक बाजार

दीप जलाकर उद्घाटन करते हुए प्रो. दिनेश सिंह; बाएं, श्रीमती फरीदा एम नाईक, श्री एम.ए. सिकंदर; दाएं, डॉ. हेमलता रेड्डी

नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया के अभिनव पहल, **दिल्ली सप्ताहांत पुस्तक बाजार** की दूसरी शृंखला के अंतर्गत इस बाजार का धौलाकुआं स्थित श्री वेंकटेश्वर कॉलेज में 4 से 6 नवंबर, 2011 तक आयोजन किया गया। दक्षिण परिसर, दिल्ली विश्वविद्यालय के तहत श्री वेंकी कॉलेज में इस तीनदिवसीय समारोह में पुस्तक बाजार के अलावा अनेक साहित्यिक-सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया।

दिल्ली सप्ताहांत पुस्तक बाजार का उद्घाटन दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश सिंह ने श्री वेंकटेश्वर कॉलेज परिसर में किया। अपने उद्घाटन संबोधन में उन्होंने कहा, ''हमें पुस्तकों के महत्व को समझना चाहिए, क्योंकि वे हमारे जीवन को बदल देती हैं।'' उन्होंने महात्मा गांधी का उदाहरण देते हुए बताया कि जब गांधी जी दक्षिण अफ्रीका में थे तो वे निर्णय नहीं ले पा रहे थे कि उन्हें आगे क्या कदम उठाने चाहिए, किंतु रस्किन का *अनटू द लास्ट* पढ़कर वे भारत लौटे और स्वतंत्रता के लिए आंदोलन शुरू की। उन्होंने एन.बी.टी. को युवाओं से और अधिक जोड़ने का अनुरोध भी किया। श्री वेंकटेश्वर कॉलेज की प्राचार्या और कार्यक्रम की सम्मानित अतिथि डॉ. हेमलता रेड्डी ने युवाओं से पाठ्येतर पुस्तकों को देखने एवं पढ़ने की अपील की। उन्होंने पुस्तक बाजार के विस्तार की आवश्यकता भी जताई।

इससे पहले, एन.बी.टी. के निदेशक श्री एम.ए. सिकंदर ने इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों का स्वागत किया और राष्ट्रीय युवा पाठकीयता सर्वेक्षण के परिणामों का हवाला देते हुए कहा कि युवाओं में पठन आदत बढ़ी है। भारत ज्ञान का केंद्र बन गया है और प्रकाशन उद्योग को महत्वपूर्ण भूमिका निभानी है। उन्होंने जानकारी दी कि एन.बी.टी. ई-पुस्तकें लाने और एन.बी.टी. की पुस्तकों के डिजिटलीकरण पर काम कर रहा है। उन्होंने ट्रस्ट की विविध गतिविधियों, विशेष तौर पर युवाओं और बच्चों के लिए, के बारे में भी जानकारी दी, जो पुस्तकोन्नयन एवं पठन आदत के प्रचार-प्रसार से जुड़ी हैं। उन्होंने 25 फरवरी से 4 मार्च, 2012 तक होने वाले नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में उपस्थित लोगों से आने का आह्वान भी किया।

ट्रस्ट की संयुक्त निदेशक (प्रशा. एवं वित्त) श्रीमती फरीदा एम नाईक ने धन्यवाद ज्ञापन किया।

इस पुस्तक बाजार में लगभग 40 प्रकाशकों ने पैगोडा आकार में बने स्टॉलों में अपनी पुस्तकें प्रदर्शन एवं बिक्री हेतु लगाईं।

बाजार का पहला दिन उत्सवपूर्ण रहा। ट्रस्ट की ओर से अनेक सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। इनमें शामिल थे—गुजरात के ज्ञान प्रभा स्कूल ऑफ परफॉर्मेंस द्वारा गीत-संगीत एवं डांडिया; महाराष्ट्र से लावणी लोकनृत्य; दिल्ली यूनिवर्सिटी के विवेकानंद कॉलेज के छात्रों द्वारा राजस्थानी लोकनृत्य तथा प्रख्यात सारंगीवादक मो. अयूब एवं गुलाम वारिस द्वारा सारंगी वादन। एक बुक क्विज का भी आयोजन हुआ जिसमें श्री वेंकी कॉलेज के छात्रों ने बड़ी संख्या से भाग लिया।

5 नवंबर को 'फैशन में करियर' विषय पर एन. बीटी. द्वारा आयोजित चर्चा-विमर्श में कई जाने-पहचाने फैशन डिजाइनर एवं सलाहकार, जैसे—सुश्री आशिमा, श्री अजय मेहरा, श्री टी.के. ह्यूम तथा सुश्री गरिमा ने फैशन उद्योग में जाने के इच्छुक छात्रों से संवाद किया।

इसी दिन शाम को साहित्यिक कार्यक्रमों की शृंखला में व्यंग्य पाठ का आयोजन किया गया, जिसमें व्यंग्यकारों ने समसामयिक विषयों पर केंद्रित व्यंग्य रचनाओं का पाठ किया। आमंत्रित व्यंग्यकार थे—सर्वश्री आलोक पुराणिक, अविनाश वाचस्पति, प्रेम जनमेजय, कुलविंदर सिंह कंग, बलराम, मनजीत सिंह, सत्यपाल सिंह 'सुष्म', रवि शर्मा 'मधुप', हरीश नवल एवं श्रीमती सरोजनी प्रीतम। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. नरेंद्र कोहली ने की।

6 नवंबर को 'कहानी पाठ' सत्र के तहत श्री उदय प्रकाश, श्री प्रताप सहगल, श्री महेश दर्पण तथा सुश्री आकांक्षा पारे काशिब ने अपनी-अपनी कहानियों/लघु कथाओं का पाठ किया। सत्र की अध्यक्षता डॉ. गंगाप्रसाद विमल ने की। दोनों ही साहित्यिक कार्यक्रमों के आरंभ में ट्रस्ट की संयुक्त निदेशक (प्रशा. एवं वित्त) श्रीमती फरीदा एम नाईक ने अतिथियों का स्वागत करते हुए ट्रस्ट की परंपरा के अनुसार उपहारस्वरूप पुस्तकें भेंट कीं। दोनों कार्यक्रमों का संचालन ट्रस्ट में हिंदी के सहायक संपादक श्री ललित किशोर मंडोरा ने की।

अंतिम दिन प्रख्यात नृत्यकार मुल्ला अफसर की कथक नृत्य प्रस्तुति भी हुई कथक केंद्र ने इस आयोजन हेतु एन.बी.टी. को सहयोग दिया।

सांस्कृतिक कार्यक्रम एक दृश्य

पंजाबी पुस्तकों का लोकार्पण

पंजाबी साहित्य सभ्याचार संगठन (पंजीकृत) का विशेष साहित्यिक आयोजन 6 नवंबर, 2011 को होटल जगीर पैलेस, माया पुरी चौक, रिंग रोड, नई दिल्ली में किया गया। इस समारोह में ट्रस्ट-निदेशक श्री एम.ए. सिकंदर मुख्य अतिथि, डॉ. बलदेव सिंह 'बद्दन' अध्यक्ष और श्री सिरीराम अरश विशेष अतिथि के तौर पर शामिल हुए।

इस साहित्यिक समारोह में कवि दरबार का आयोजन किया गया। इसमें श्री जसवंत सिंह सेखवां, श्री करतार सिंह दरस, श्री हरिंदर पतंगा, डॉ. सतपाल कौर, श्री हरभजन सिंह दिओल, श्री भगवान सिंह दीपक, श्री जसनीत सिंह, श्री जसवंत सिंह जस और श्री राणा प्रताप घनोर ने कविताएं और श्री अशोक वशिष्ठ ने कहानी पेश की। इस समारोह में ट्रस्ट की ओर से प्रकाशित पांच बाल पंजाबी पुस्तकों का लोकार्पण किया गया। पुस्तकें थीं : *गुले आवास* (लेखक : डॉ. जाकिर हुसैन), *बुलबुल अते मुन्नू* (लेखिका : क्षमा शर्मा), *अंब वाली चिड़ी* (लेखिका : दीपा अग्रवाल), *प्यारा दोस्त* (लेखक : दीपक कुमार कलिता), *बांस दा घर* (लेखिका : नीरा जैन)। इन पुस्तकों का अनुवाद डॉ. बलदेव सिंह 'बद्दन' ने किया है।

पुस्तकें लोकार्पित करते हुए बाएं से दाएं : श्री हरभजन सिंह फुल्ल, श्री महेंद्र सिंह भुल्लर, डॉ. बलदेव सिंह 'बद्दन', श्री एम.ए. सिकंदर, श्री ओ.पी. आनंद, श्री सिरीराम अरश, श्री सुरजीत आर्टिस्ट

समारोह के प्रारंभ में संगठन के सचिव श्री सुरजीत आर्टिस्ट ने स्वागत-उद्बोधन किया। श्री एम.ए. सिकंदर ने ट्रस्ट की गतिविधियों की विस्तार से चर्चा की। इस अवसर पर ट्रस्ट की ओर से आयोजित होने वाले 20वें नई दिल्ली, विश्व पुस्तक मेला (25 फरवरी - 4 मार्च 2012) का विशेष तौर पर जिक्र किया गया। डॉ. 'बद्दन' ने लोकार्पित पुस्तकों के बारे में विस्तार सहित चर्चा की। संगठन के अध्यक्ष श्री ओ.पी. आनंद ने श्रोताओं का धन्यवाद किया। इस साहित्यिक समारोह में बड़ी संख्या में लेखकों एवं पुस्तक प्रेमियों ने भाग लिया।

पंजाब शिरमाते को पुरस्कार : मराठी लेखक पंजाब शिरमाते लिखित पुस्तक 'मूक बधिर वाणी उपचार प्रयास पद्धति' पुस्तक को हाल ही में महाराष्ट्र राज्य हिंदी साहित्य अकादमी की ओर से वर्ष 2009-10 का होमी जहांगीर भाभा (प्रथम) विज्ञान, तकनीकी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। विदित हो कि ट्रस्ट ने उक्त पुस्तक को हिंदी तथा मराठी के अलावा कई अन्य भाषाओं में भी प्रकाशित करने का निर्णय लिया है।

पुस्तक समीक्षा

पढ़ने का आनंद (निबंध संग्रह)
प्रेमपाल शर्मा; पृ. 240 ` 360
सामयिक बुक्स, 3320-21, जटवाड़ा, दरियागंज, एन.एस. मार्ग, नई दिल्ली-02
आज के शिक्षण संस्थान एक तरह से महज डिग्री देने की फैक्टरी बन गए हैं। सही शिक्षा कैसी हो, शिक्षा प्रणाली का स्वरूप क्या हो यह आजादी के 64 सालों के बाद भी अनुत्तरित है। पढ़ना केवल नौकरी हासिल करने की सीढ़ी बन गया लगता है। 'पढ़ने' में तनाव है, पर आनंद नहीं। पर यह पुस्तक 'पढ़ने का आनंद' भी बताती है और सही शिक्षा का मलतब भी।

दो कमरे का मन (कहानी संग्रह)
कलानाथ मिश्र; पृ. 128 ` 200
इंद्रप्रस्थ प्रकाशन, के-71, कृष्णनगर, दिल्ली-51
ग्यारह कहानियों के इस कथा संग्रह का ताना-बाना हमारे ही परिवेश और इसी समकालीन परिस्थितियों से गुना-बुना गया है। भौतिकता और वैश्वीकरण के मलबे पर बैठा हमारा समाज किस तरह मनुष्यता से और प्रकृति से दूर हो चला है इसकी तड़प और चिंता इन कहानियों में प्रतिबिंबित होती है। जीवन से दूर हो गए मूल्यों को वापस लाने की छटपटाहट भी इन कहानियों में है।

हरशृंगार की छांव में (निबंध संग्रह)
राज बुद्धिराजा; पृ. 160 ` 300
तेज प्रकाशन, 98, शक्ति भवन, दरियागंज, नई दिल्ली-02
जीवन के चौथेपन में आ पहुंची लेखिका आज भी सृजनरत हैं, हर साल एक-दो पुस्तकें छप रही हैं। लेखिका का यह जज्बा सराहनीय है। हरशृंगार भारतीय परंपरा में एक बेहद सुगंधित फूल है, जिसकी सुगंधि से पास-पड़ोस ही नहीं जीवन भी महमह कर उठता है। उनके गांव और उनके बालपन की सुगंधि से महमह करता जनसत्ता अखबार में लेखिका के छपे 32 आलेखों का यह गुलदस्ता पाठकों को पसंद आएगा। इस हरशृंगार की छांव में आप भी बैठकर देखिए।

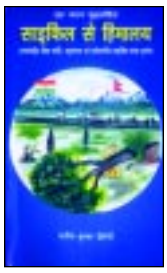

साइकिल से हिमालय (यात्रा वृत्तांत)
सतीश कुमार द्विवेदी; पृ. 116 ` 250
अभिव्यक्ति प्रकाशन, 29/61, गली नं. 11, विश्वास नगर, दिल्ली-32
यात्राएं बहुत कुछ सिखाती हैं; अगर यात्रा साइकिल से की गई हो तो जमीनी हकीकत का नजारा दिखाती है। लेखक द्वारा लिखी गई इस कृति में कुछ युवकों द्वारा पर्यावरण और एकता का संदेश देने के उद्देश्य से की गई हिमालय यात्रा का सजीव वृत्तांत प्रस्तुत है। यह यात्रा एक पाठक को जगाती है, प्रेरित करती है और झकझोरती भी है।

हाथी के दो दांत (लघुकथा संग्रह)
भगवान सिंह 'भास्कर'
पृ. 80 ` 80
भास्कर साहित्य भारती, प्रखंड कार्यालय के सामने, लखरावं, सिवान, बिहार-841226
35 लघुकथाओं का यह संग्रह हमारे समकालीन समाज का एक जीता-जागता आईना है। समाज और राष्ट्र के हित में इन लघुकथाओं का सार्वकालिक महत्व है। इन कथाओं में आदर्श का निरूपण है, उपदेशों का संगुंफन भी है।

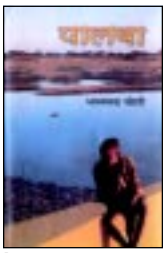

पालवा (कहानी संग्रह); *भालचंद्र जोशी;* पृ. 156 ` 150
भारतीय ज्ञानपीठ, 18, इंस्टीट्यूशनल एरिया, लोदी रोड, नई दिल्ली-03
जो कहानी हमारे आस-पास की होती है, जिस कहानी में हमारी भी 'कहानी' जैसा कुछ होती है वह कहानी हमें लुभाती है, अपनी-अपनी-सी लगती है। घर-परिवार और पास-पड़ोस की ऐसी ही कहानियों का गुलदस्ता है 'पालवा'। सहज, सरल और गैर-आयातित कथा शैली में लिखे सात कहानियों का यह कथा संग्रह उन पाठकों को स्पंदित करता है जिन्हें भाव, भाषा और भावना की त्रिवेणी में डूबना-उतराना आता है।

टोपी शुक्ला (नाटक); *राही मासूम रजा*
नाट्यरूपांतरकार : शिव मूरत सिंह; पृ. 96 ` 150
विकल्प प्रकाशन, 2226/बी, प्रथम तल, गली नं. 33, पहला पुस्ता, सोनिया विहार, दिल्ली-94
राही मासूम रजा की कहानी का नाट्यरूपांतर है 'टोपी शुक्ला', जिसमें टोपी कहानी का हीरो है, परंतु यह कहानी या जीवनी केवल टोपी की नहीं है। दरअसल, यह कहानी टोपी के बहाने हमारे समय की है, जिसका वास्तविक हीरो भी समय ही है। इस कहानी में बहुत कुछ है—सेक्स, फ्रस्ट्रेशन, फैनिटिसिज्म, आदि-आदि। इन्हीं प्रश्नों से जूझते हुए इस कृति का सर्जन हुआ है।

हक गढ़ती औरत (स्त्री विमर्श)
अंजु दुआ जैमिनी; पृ. 128 ` 200
कल्याणी शिक्षा परिषद, 3320-21, जटवाड़ा, दरियागंज, नई दिल्ली-02
क्लिष्ट शब्दों, वाक्यों और अलंकारों से मुक्त, किसी बौद्धिक विमर्श से इतर, पास-पड़ोस और समाज में घटी घटनाओं के दृष्टांत के आलोक में लिखी इस कृति में इन घटनाओं का विवरण देकर स्त्रियों को स्वावलंबी और जागरूक होने का पाठ पढ़ाया गया है। चार अध्यायों को पुनः अनेक उप अध्यायों में बांटकर एक तारतम्यता से निबंधों को पिरोया गया है। पत्रकार, अध्यापक, छात्र सहित सभी स्त्रियों के लिए एक उपयोगी रचना।

आखिर कब तक (नाटक संग्रह)
विक्रम सिंह नेगी 'बूंद'; पृ. 42 ` 50
प्रकाशक : ***हिमालय प्रकाशन;*** *मुद्रक :* ***हिमालय प्रेस,*** धारचूला रोड, धनौड़ा, पिथौरागढ़, उत्तराखंड-262501
एक युवा लेखक और रंगकर्मी द्वारा रचित इस कृति में शीर्षक नाम सहित दो नाटक संकलित हैं। शीर्षक नाम नाटक जहां एक स्त्री की वेदना और व्यथा का पुरुषप्रधान समाज के आईने में ज्वलंत निरूपण है वहीं 'लूट महोत्सव' शीर्षकाधीन पहली नाट्य प्रस्तुति में उत्तराखंड की पृष्ठभूमि में सारे देश की व्यवस्थागत विसंगतियों एवं विडंबनाओं का जीवंत चित्रण है।

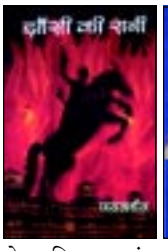

झांसी की रानी एवं **अर्जेंट मीटिंग** (नाटक)
जयवर्धन; पृ. क्रमशः 84 व 64
` क्रमशः 50 व 50
किताबघर प्रकाशन, 4855-56/24, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली-02
पहला जहां ऐतिहासिक नाटक है वहीं दूसरा व्यंग्य नाटक। पहले नाटक में झांसी की रानी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व का जीवंत चित्रण है। दूसरा नाटक रंगमंच के अंतरंग को दर्शाता एक व्यंग्य नाटक है। दिल्ली की पृष्ठभूमि में लिखे इस नाटक के अधिकांश चरित्र दिल्ली के ही हैं।

लुधियाना में तीन पंजाबी पुस्तकों का लोकार्पण

ट्रस्ट की पुस्तकें लोकार्पित करते हुए बाएं से दाएं : डॉ. चंचल चौहान, डॉ. बलदेव सिंह बद्दन, डॉ. दलीप कौर टिवाणा, श्री एम.ए. सिकंदर, श्री जसवंत सिंह कंवल, श्री सुखचैन सिंह भंडारी, प्रो. अनूप विर्क एवं डॉ. गुरभजन गिल

नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया की ओर से 23 अक्तूबर, 2011 को केंदरी पंजाबी लेखक सभा (सेखों), पंजीकृत के सहयोग से सभा के सिलवर जुबली समारोह का आयोजन पंजाबी भवन, पंजाबी अकादेमी, लुधियाना में किया गया। समारोह के पहले भाग 'अभिनंदन कार्यक्रम' की अध्यक्षता साहित्य अकादेमी व सरस्वती सम्मान से पुरस्कृत लेखिका डॉ. दलीप कौर टिवाणा ने की। इस समारोह में श्री एम.ए. सिकंदर, निदेशक, नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया विशेष अतिथि और डॉ. चंचल चौहान, सचिव, जनवादी लेखक संघ मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल हुए। प्रधानगी मंडल में श्री सुखचैन सिंह भंडारी, निदेशक, हरियाणा पंजाबी साहित्य अकादमी, डॉ. गुरभजन गिल, अध्यक्ष पंजाबी साहित्य अकादमी, लुधियाना; प्रो. अनूप विर्क, अध्यक्ष, केंदरी पंजाबी लेखक सभा (पंजीकृत); श्री जगदेव सिंह जस्सोवाल, अध्यक्ष, विश्व सभ्याचारक मंच; डॉ. दीपक मनमोहन, निदेशक, वर्ल्ड पंजाबी सेंटर, पंजाबी विश्वविद्यालय, पटियाला; डॉ. बलदेव सिंह बद्दन, मुख्य संपादक एवं संयुक्त निदेशक, नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया; डॉ. तेजवंत सिंह मान, अध्यक्ष, केंद्रीय पंजाबी लेखक सभा (सेखों), पंजीकृत शामिल हुए। समारोह के आरंभ में सभा के सचिव, श्री पवन हरचंदपुरी ने सभा की गतिविधियों के बारे में विस्तार सहित जानकारी दी। इस अवसर पर प्रधानगी मंडल की ओर से पंजाबी के प्रसिद्ध उपन्यासकार एवं कहानीकार श्री जसवंत सिंह कंवल पर तैयार किया गया 'अभिनंदन ग्रंथ' लोकार्पित किया गया। इस

श्री एम.ए. सिकंदर को केंदरी पंजाबी लेखक सभा (सेखों) पंजीकृत का सम्मान चिन्ह प्रदान करते हुए डॉ. दलीप कौर टिवाणा, श्री जसवंत सिंह कंवल, प्रो. अनूप विर्क, डॉ. गुरभजन गिल, श्री वीरेंद्र शर्मा एवं श्री जगदेव सिंह जस्सोवाल

'श्री जसवंत सिंह कंवल अभिनंदन ग्रंथ' लोकार्पित करते हुए श्री पवन हरचंदपुरी, श्री एम.ए. सिकंदर, श्री सुरिंदर सिंह, डॉ. तेजवंत मान, डॉ. दीपक मनमोहन एवं डॉ. दलीप कौर टिवाणा

अवसर पर ट्रस्ट की ओर से प्रकाशित तीन पंजाबी पुस्तकें भी लोकार्पित की गईं। पुस्तकें थीं : *संत सिंह सेखों दीयां चोणवियां कहानियां* (संपादक : तेजवंत गिल), *संतोख सिंह धीर दीयां चोणवियां कहानियां* (संपादक : डॉ. बलदेव सिंह 'बद्दन'), *सत भारती संत* (लेखक : बलदेव वंशी, अनुवादक : डॉ. नरेश)।

इस अवसर पर श्री एम.ए. सिकंदर ने ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित पुस्तकों, साहित्यिक गतिविधियों, पुस्तक मेलों पर विस्तार सहित चर्चा की। डॉ. बलदेव सिंह 'बद्दन' ने लोकार्पित पुस्तकों की विस्तार सहित जानकारी दी। इस कार्यक्रम में डॉ. दलीप कौर टिवाणा ने श्री जसवंत सिंह कंवल के साहित्यिक योगदान पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस अवसर पर पहली बार पंजाबी भाषा में आई. ए.एस. की परीक्षा तथा साक्षात्कार उत्तीर्ण करने वाले श्री वीरेंद्र शर्मा का भी सम्मान किया गया। इस समारोह में पंजाबी के 400 से अधिक लेखकों ने भाग लिया।

करीमनगर में पुस्तक लोकार्पण समारोह

पुस्तक लोकार्पण का एक दृश्य

15 सितंबर, 2011 को करीमनगर, आंध्र प्रदेश में नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया द्वारा एक पुस्तक लोकार्पण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ट्रस्ट की विभिन्न भाषाओं की दस पुस्तकों के तेलुगु अनुवाद का लोकार्पण किया गया। ट्रस्ट की नेहरू बाल पुस्तकालय पुस्तकमाला की इन पुस्तकों के नाम हैं : *अंतिम टिकट एवं अन्य कहानियां, नोना एंड द रेन, एडवेंचर्स ऑफ घनाडा, चंदा गिनती भूल गया, ड्रैगन सूनामी, टिलटिल का साहस, द बर्ड ऑफ माइंड, गोलुकी दापुली, क्यों* तथा *रिंटू एंड हिज कंपास*। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि, काकतीय यूनिवर्सिटी, वारंगल के कुलपति प्रो. बी. वेंकटारत्नम ने इन पुस्तकों का लोकार्पण किया।

इस अवसर पर बाल साहित्यकार डॉ. मलायासरी सम्मानित अतिथि थे, जबकि बाल साहित्यकार, गीतकार तथा फिल्म निर्देशक डॉ. वदीपल्ली कृष्णा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। बहुभाषी डॉ. नलिमेला भास्कर, एन. बी.टी. तेलुगु सलाहकार समिति के सदस्य श्री दासरि वेंकटरामन एवं तेलंगाना यूनिवर्सिटी के सहायक प्रोफेसर डॉ. वी. त्रिवेणी ने भी कार्यक्रम में विशिष्ट आमंत्रितों के रूप में भागीदारी की। कार्यक्रम में उक्त पुस्तकों की अनुवादक सुश्री रानी प्रसाद, शहनाज फातिमा एवं श्री इता चद्रैया ने भी भाग लिया।

ट्रस्ट में तेलुगु भाषा के सहायक संपादक डॉ. पथिपका मोहन ने स्वागत उद्बोधन किया, ट्रस्ट की गतिविधियों की परिचयात्मक जानकारी दी, अतिथियों का स्वागत किया एवं राष्ट्रीय पुस्तक सप्ताह की महत्ता को समझाया।

देहरादून में लेखक और बच्चों के बीच संवाद

हिंदी के प्रख्यात लेखक तथा वर्तमान में संगीत नाटक अकादेमी में सलाहकार संपादक श्री प्रयाग शुक्ल और देहरादून के स्कूली बच्चों के बीच 19-20 अगस्त, 2011 को देहरादून में संवाद का आयोजन हुआ। राजकीय प्राथमिक विद्यालय, अजाबपुर-I में 19 अगस्त के कार्यक्रम में प्राथमिक कक्षाओं के बच्चों ने भाग लिया। 20 अगस्त को जसवंत मॉडर्न स्कूल में कार्यक्रम हुआ। इन कार्यक्रमों का आयोजन नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया के एक अनुभाग राष्ट्रीय बाल साहित्य केंद्र (रा.बा.सा. कें.) द्वारा यूनेस्को के सहयोग से द घुमक्कड़ नरेन–द ट्रैवलिंग चिल्ड्रेंस लिट्रेचर फेस्टिवल के एक भाग के रूप में किया गया।

श्री शुक्ल ने दोनों ही दिन बच्चों के लिए स्वरचित रचनाओं का पाठ किया। उन्होंने बच्चों को कविताओं की रचना करने के लिए प्रोत्साहित किया और बच्चों ने भी इसमें बड़ा उत्साह दिखाया। उन्होंने बच्चों से अपनी पसंद की किसी पुस्तक से कुछ अंशों का पाठ करने के लिए भी कहा। उन्होंने बच्चों से कहा कि ''आपको अनिवार्य रूप से प्रतिदिन पुस्तक से कुछ पन्ने पढ़ने चाहिए और इसे अपनी आदत बना लेनी चाहिए।'' यह संवाद सत्र बच्चों के बीच पाठ्येतर पुस्तक पठन के प्रोन्नयन के उद्देश्य से आयोजित किया गया था। बच्चों ने भी इस अवसर पर कहानियां सुनाईं, कविताएं पढ़ीं। बच्चों को उपहार के तौर पर एन.बी.टी. की पुस्तकें दी गईं।

R.N.I. No. 64445/96
Postal Regd. No. DL (SW) 1/4077/2009-11
Licence to post without prepayment
L. No. U(SW) 23/2009-11
Mailing date 15/16

इंदिरा गोस्वामी नहीं रहीं

प्रख्यात असमिया साहित्यकार **इंदिरा गोस्वामी** का 29 नवंबर, 2011 को गुवाहाटी में निधन हो गया। वे 69 साल की थीं। पाठकों के बीच मामोनी रायसम गोस्वामी के नाम से लोकप्रिय इंदिरा ने साहित्य की अनेक विधाओं में लेखन किया। उन्होंने उपन्यास, कहानी और लेख विधा में विशेष रूप से कलम चलाई। वे संपादक, कवयित्री एवं समाजसेवी भी थीं। उनके लेखन में सामाजिक एवं मानवीय सरोकार सर्वोपरि होते थे। इंदिरा गोस्वामी को सन् 2000 में उत्कृष्ट लेखन हेतु ज्ञानपीठ पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था।

ट्रस्ट ने 'मामोनी रायसम गोस्वामी की कहानियां' शीर्षक उनका एक कहानी-संग्रह भी प्रकाशित किया है।

दिल्ली तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पुस्तक प्रदर्शनियां

नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया द्वारा राष्ट्रीय पुस्तक सप्ताह के उपलक्ष्य में 14 से 20 नवंबर, 2011 तक दिल्ली तथा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र–गुड़गांव, फरीदाबाद, नोएडा तथा गाजियाबाद के सरकारी स्कूलों के अलावा पब्लिक स्कूलों, केंद्रीय विद्यालयों, जवाहर नवोदय विद्यालयों में कुल 48 स्थानों पर पुस्तक प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया। इन पुस्तक प्रदर्शनियों में बड़ी संख्या में स्कूली विद्यार्थियों के अलावा उनके अभिभावक तथा पास-पड़ोस के आम लोग भी आए तथा पुस्तकें खरीदीं। ट्रस्ट की पुस्तकों की जबरदस्त बिक्री से ट्रस्ट की पुस्तकों के प्रति आम लोगों के लगाव को समझा जा सकता है।

चिट्ठीघर

संवाद का अक्तू. अंक मिला। सीमित कलेवर में असीमित पाठ्यसामग्री और पुस्तकों से संबंधित उपयोगी जानकारी प्रस्तुत की गई है। विद्वानों के उपयोगी और ज्ञानवर्द्धक वक्तव्य शोधकर्ताओं के लिए संदर्भस्रोत साबित हो सकते हैं। **डॉ. सूर्यप्रसाद शुक्ल,** कानपुर, उत्तर प्रदेश

केवल आठ पृष्ठों में राष्ट्रीय स्तर पर पुस्तक संबंधी गतिविधियों तथा हिंदी भाषा का प्रचार-प्रसार **संवाद** का राष्ट्र हितार्थ सर्वोत्तम अभियान है। **संवाद** को व्यापक हित लाभ के उद्देश्य से पुस्तकालयों में भेजना उपादेय हो सकता है।

जवाहर लाल मधुकर, चेन्नई, तमिलनाडु

अंक नियमित मिलते हैं। पढ़कर स्थानीय मित्र मंडली में पठन-पाठन हेतु दे देता हूं। पुस्तक समीक्षा संक्षिप्त किंतु पठन हेतु जिज्ञासा पैदा करती है। **चंद्रसेन विराट,** इंदौर, मध्य प्रदेश

फैजाबाद पुस्तक मेला

फैजाबाद पुस्तक मेले का आयोजन नारायण खत्री मेमोरियल ट्रस्ट द्वारा राजकीय इंटर कॉलेज परिसर में किया गया। पुस्तक मेले का उद्घाटन उच्चतम न्यायालय के सेवानिवृत्त न्यायमूर्ति श्री जी.एन. रे द्वारा 2 नवंबर, 2011 को किया गया। पुस्तक मेले में लगभग 70 प्रकाशकों ने अपने स्टॉल लगाए थे, जिसमें नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया का स्टॉल प्रमुख था। मुख्य अतिथि ने ट्रस्ट के स्टॉल पर भी पुस्तकें देखीं तथा सराहना की और बताया कि ट्रस्ट द्वारा प्रकाशित पुस्तकें उत्कृष्ट एवं उच्च कोटि की हैं।

फैजाबाद पुस्तक मेले में ट्रस्ट को प्रथम पुरस्कार का स्मृति चिन्ह भेंट किया गया।

नेशनल बुक ट्रस्ट *संवाद* भारत सरकार के मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अधीन संचालित स्वायत्त संगठन, नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया का मुख पत्र है।

इस पत्रिका के आलेखों में व्यक्त विचारों से ट्रस्ट की सहमति का होना आवश्यक नहीं है।

संपादक : **बलदेव सिंह 'बद्दन'**
कार्यकारी संपादक : **दीपक कुमार गुप्ता**
उत्पादन सहयोग : **दीपक जैसवाल**

नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया
नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज-II
वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070
ई-मेलः nbtindia@ndb.vsnl.net.in
वेबसाइट : www.nbtindia.org.in

पाठकों से अनुरोध है कि वे **नेशनल बुक ट्रस्ट *संवाद*** के बारे में अपने विचार संपादक को लिखें।

नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया, नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज-II, वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070 की ओर से सतीश कुमार, संयुक्त निदेशक (उत्पादन) द्वारा मुद्रित एवं प्रकाशित; तथा पुष्पक प्रेस प्रा.लि., 203-204, डी.एस.आई.डी.सी. शेड, फेज-I, ओखला इंडस्ट्रियल एरिया, नई दिल्ली-110020 से मुद्रित।

एस.एस. इंटरप्राइजेज, प्रथम तल, जी.जी.-1/36बी, विकासपुरी, नई दिल्ली-110018 से टाइपसेट।

भारत सरकार के सेवार्थ

डाक वापसी की दशा में कृपया इस पते पर वापस करें :
नेशनल बुक ट्रस्ट, इंडिया, नेहरू भवन, 5 इंस्टीट्यूशनल एरिया, फेज-II, वसंत कुंज, नई दिल्ली-110070